नववर्ष का स्वागत

चलो मिलकर गाएं हम स्वागत - गान
नववर्ष का आया नवल विहान
हँसते गाते हम मौज मनाते
छोड़ें संकीर्णता लाएँ वितान

जीवन वाटिका का हो उत्कर्ष
चहुँ ओर फैले अब हर्ष ही हर्ष
व्यक्तित्व का करें अब हम संबोध
लाएँ परिवर्तन करते रहें शोध

आरोही पथ पर बढ़े यह जीवन
खुशियों का सुनाए मधुर गुंजन
प्रगति की लतिका यह बढ़ती रहे
सफलता के सोपानों पर चढ़ती रहे

रजनीगंधा सा फूल बनें
जब तक दम हो तब तक महकें
नित नई कोपलें, पुष्प खिले
जीवन को हर पल नवाचार मिले

जीने की अब नई आस मिले
जीवन को नया उल्लास मिले
अन्तर्निहित क्षमता को विश्वास मिले
टूटती साँसों को अब नई साँस मिले

प्रेम की सौंधी खुशबू से, भर जाए मेरा घर आँगन।
नई सुबह के साथ, आए जीवन में मधुकिरण॥

- चन्दन सिंह 'चाँद '
संपर्क सूत्र - chandanbhaiya12@gmail.com

Last modified: 21:38